

1. किसी भी साढ़ेसाती के संपूर्ण साढ़े सात वर्ष एक समान नहीं जाते हैं।
2. एक व्यक्ति के जीवन में दो या तीन साढ़ेसाती आती हैं।
3. साढ़ेसाती में शुभ-अशुभ दोनों फल मिलते हैं परंतु अशुभता या अनिष्टता का प्रतिशत ज्यादा रहता है। जैसे कि :-
 - युवावस्था की साढ़ेसाती में व्यापार में घाट होता है।
 - इस अवस्था में नौकरीपेशा की नौकरी खतरे में पड़ जाती है।
 - घर में पत्नी के बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है।
 - आदमी के समस्त विचार, सिद्धांत, गांधीवादिता इत्यादि पूर्णतः बदलने लगती है। याने कि नास्तिक व्यक्ति का झुकाव धर्म, आराधना एवं ईश्वर के प्रति होना शुरू हो जाता है। वहीं आस्तिक व्यक्ति निराश होकर नास्तिक बन जाता है।
 - कभी-कभी स्थान परिवर्तन के योग भी ग्रहानुसार बनते हैं।
 - जातक के माता-पिता का वियोग हो सकता है।
 - कमजोर, बीमार, निराश व्यक्ति आत्महत्या भी कर सकता है।
 - घर के विवाद में बंटवारा लगभग हो ही जाता है।
 - कई-कई बार सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन में अपमान के अवसर आते हैं।
 - घर परिवार या स्वयं की सम्पत्ति बिकने का योग बनता है।
 - मन की प्रसन्नता एवं प्रफुल्लता गायब होने लगती है। उसकी जगह चिड़चिड़ापन एवं उदासी ले लेती है। इसकी वजह से व्यक्ति हताशा में एक के बाद एक गलत निर्णय लेता चला जाता है, और अंत में सब खोकर पछताता है।
 - एक बात निश्चित (ग्यारान्टेड) है कि साढ़ेसाती के दौरान व्यक्ति अपने किसी अत्यंत नजदीकी की शव यात्रा में अवश्य शामिल होता है।
 - तलाक वाले मुकदमों का फैसला इस दौरान अवश्य आता है।
 - घर में आय से अधिक व्यय होता है।
4. बच्चों पर साढ़ेसाती अनेक तरह से प्रभाव डालती है।
 - पढ़ाई के दौरान अत्यधिक पढ़ाई के बावजूद भी आशानुरूप पूर्ण सफलता नहीं मिल पाती है।
 - कई बार ऐसे बच्चों फेल भी हो जाते हैं।
 - कई बार बीमारी या अन्य कोई वजह से भी परीक्षा देने में बाधा आती है।
 - बच्चों पर नियंत्रण इस समय बहुत जरूरी होता है। क्योंकि इस समय गलत संगी-साथियों की वजह से वह उद्वेग, जिद्दी और खर्चीला हो जाता है।
 - साथ ही अधिक दबाव डालने पर उसके घर छोड़कर जाने की संभावना भी रहती है।
5. पति पत्नी में तनाव इस समय सर्वाधिक होता है।
6. मुकदमों इत्यादि में हार की संभावना भी इस समय बनती है।
7. शादी योग्य व्यक्तियों की शादी अवश्य इस समय हो जाती है।
8. अध्यात्म और गूढ़ रहस्यों के प्रति झुकाव बढ़ता है क्योंकि ये शनि के प्रिय क्षेत्र हैं।
9. स्वास्थ्य की दृष्टि से 65 माह शुभ और 25 माह अशुभ रहते हैं।
10. 24-52 माह के मध्य मृत्युतुल्य कष्ट अवश्य देता है।

कुल परिणाम एक नजर में अगर हम समझना चाहते हैं तो :-

साढ़ेसाती के प्रथम ढाई वर्ष बहुत ज्यादा खराब जाते हैं।

साढ़ेसाती के द्वितीय ढाई वर्ष साधारण अशुभ जाते हैं।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

साढ़ेसाती के अंतिम ढाई वर्ष कुछ-कुछ शुभ जाते हैं।
इसके बाद के 2-3 वर्ष में पूर्ण रिकवरी हो जाती है।

शनि के बाद का भी प्रभाव देखा जाता है।

1. तांबा -शुभ
2. सोना - अशुभ
3. रजत - शुभ
4. लोहा - अशुभ

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

॥ शनिवार का नियम ॥

सर्वप्रथम अपनी समस्त परेशानियां एक सफेद कागज पर लाल स्याही से लिखकर उस कागज को 5 बार मोड़कर रखना है। फिर उस मोड़े हुए कागज को, एक श्रीफल हाथ में रखकर, उस श्रीफल से पूजा के पंचरंगी धागे (नाड़े) से 5 बार लपेटकर 5 गाँठ बाँधना है।

फिर उस श्रीफल को दक्षिणमुखी हनुमानजी के मंदिर में उल्टा चढ़ाना है। ये नियम पति-पत्नी को साथ में करना है। श्रीफल चढ़ाते हुए प्रति शनिवार को पीपल के वृक्ष में दीपक लगाने का संकल्प प्रभु के सामने करना है।

1. दीपक का तेल - मीठा तेल
2. दीपक की बाती - उत्तर दिशा की तरफ
3. दीपक लगाने का समय - शाम 5:45 से 7:15 के मध्य
4. दीपक लगाने के बाद परिक्रमा - 3,5,7 या 9 बार मंदिर की परिक्रमानुसार
5. परिक्रमा के वक्त मंत्रजाप - ॐ शं शनैःश्वराय नमः।
6. संकल्प नियम की समयावधि - 9 माह
7. नियम में छूट - आवश्यक परिस्थितियों में, पति की अनुपस्थिति में पत्नी कर सकती है।
8. गैप की छूट - 9 माह की समयावधि में एक छूट की अनुमति है। और एक छूट आधी है। याने कि उस समय अगर दीपक लगा पाने की स्थिति में नहीं है तो हनुमानजी के मंदिर में दर्शन कर सकते हैं।
9. विशेष - प्रत्येक शनिवार को दीपक एक ही स्थान पर लगाना है।
10. विशेष नोट - नियम के पहले शनिवार को पीपल के पेड़ की छाल में चमारी कील गाड़कर शुरुआत करना है।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji